

एमसीएल राजभाषा कार्यान्वयन समिति की 75वीं बैठक सम्पन्न

हिंदी के प्रयोग से राष्ट्रीय एकता के साथ-साथ अन्तर्राष्ट्रीय स्तर पर भी देश की पहचान बढेगी - केशव राव

महानदी कोलफील्ड्स लिमिटेड मुख्यालय, जागृति विहार में दिनांक 24.02.2023 को राजभाषा कार्यान्वयन समिति की 75वीं तिमाही समीक्षा बैठक श्री केशव राव, निदेशक (कार्मिक) एमसीएल की अध्यक्षता में सम्पन्न हुई। बैठक में क्षेत्रों एवं मुख्यालय के राजभाषा पदाधिकारीगण उपस्थित हुए।

अध्यक्ष महोदय ने अपने संबोधन में कहा कि राजभाषा बैठक का उद्देश्य भारत सरकार के राजभाषा संबंधी दिशानिर्देशों का पालन किया जाना है। इस दिशा में कंपनी के सभी कार्यालयों में केन्द्र सरकार की राजभाषा नीति का पालन सुनिश्चित करना एवं इसके प्रगामी प्रयोग में वृद्धि किया जाना है। दिनांक 15 से 17 फरवरी, 2023 तक फिजी में विश्व हिंदी सम्मेलन का आयोजन किया गया, जिसमें एमसीएल के अध्यक्ष-सह-प्रबंध निदेशक के साथ-साथ कोल इंडिया से 5 प्रतिनिधिगण शामिल हुए थे। इस सम्मेलन में कई देशों के प्रतिनिधिमण्डल शामिल हुए। सम्मेलन का उद्देश्य विश्व स्तर में हिंदी का प्रचार-प्रसार बढ़ाना है। हम विदेश दौरे के दौरान हिंदी को संपर्क भाषा के रूप में प्रयोग करेंगे तो हिंदी के प्रचार में वृद्धि होगी। हिंदी के प्रयोग से राष्ट्रीय एकता के साथ-साथ अन्तर्राष्ट्रीय स्तर पर भी देश को पहचाना जाएगा हमारा सॉफ्टपावर अर्थात् देश की सांस्कृतिक धरोहर पूरे विश्व में स्थापित होगी। जो व्यक्ति जितना अधिक भाषा जानता है उतना ही उसका बौद्धिक स्तर भी बढ़ता है।

बैठक के प्रारंभ में श्री कृष्ण मुरारी प्रसाद, महाप्रबंधक (राजभाषा) ने अध्यक्ष महोदय एवं उपस्थित सभी प्रतिनिधियों का स्वागत करते हुए कहा कि राजभाषा हिंदी के प्रचार-प्रसार के लिए हम सभी लोग प्रयासरत हैं। सभी कार्यालय अपने-अपने स्तर पर भारत सरकार की राजभाषा नीतियों के विभिन्न मदों का पालन कर रहे हैं।

बैठक के दौरान श्री बी.आर. साहू कलिहारी, उप प्रबंधक, (राजभाषा) ने पिछली बैठक में लिए गए निर्णय पर कृत कार्रवाई रिपोर्ट प्रस्तुत की। बैठक में क्षेत्रों एवं मुख्यालय के विभागों से प्राप्त तिमाही रिपोर्ट की समीक्षा की गई और जिन-जिन कार्यालयों में पिछली तिमाही की अपेक्षा इस तिमाही में राजभाषा पत्राचार में वृद्धि हुई है उन्हें अध्यक्ष महोदय द्वारा हिंदी पुस्तक देकर सम्मानीत किया गया।

बैठक की व्यवस्था एवं संचालन में एमसीएल राजभाषा विभाग की भूमिका सराहनीय रही।

